हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 74 देहरादून, शनिवार, 09 सितंबर, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

अस्पतालों में ताबड़तोड़ छापे लापरवाही खुलकर आई सामने 3

एक राष्ट्र, एक चुनाव पूर्णतः राष्ट्र हित में : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिन्दुस्तान शिखर समागम में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव पूर्णतः राष्ट्र हित में है। इससे बहुत सी सहुलियतें होंगी। 05 सालों में अलग-अलग समय पर कई राज्यों को चुनावों का सामना करना पड़ता है। लोकसभा, विधानसभा, पंचायतों, नगर निकायों के चुनाव अलग-अलग समय पर होने से विकास बाधित होता और धन भी अधिक खर्च होता है। देश की उन्नति और एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना में देश को आगे ले जाने के लिए यह अच्छा कदम होगा।

यह पूछे जाने पर कि उत्तराखण्ड में 2027 में चुनाव हैं, एक देश एक चुनाव यदि देश में लागू होता है तो, राज्य में भी 03 साल पहले चुनाव होंगे। क्या आप उसके लिए तैयार हैं ? मुख्यमंत्री ने इसके जवाब में कहा कि हां, निश्चित रूप से हम ऐसी राजनीतिक पार्टी में काम करते हैं, जहां देश प्रथम स्थान पर, पार्टी दूसरे नम्बर पर और व्यक्ति का हित अन्तिम स्थान पर होता है। जो भी फैसला देशहित में होगा, उसमें व्यक्तिगत चीजें कोई मायने नहीं रखती है।

हमारे लिये राष्ट्रहित सर्वोपरि है।

समान नागरिक संहिता को 2024 से पहले राज्य में लागू किये जाने के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए बनाई गई कमेटी का ड्राफ्ट अंतिम चरण में है। ड्राफ्ट के मिलने के बाद इसे राज्य में लागू किया जायेगा। उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य होगा, जहां पर समान नागरिक संहिता का कानून लागू होगा। सभी पहलुओं पर यू.सी.सी की कमेटी कार्य कर रही है। इसका प्रभाव पूरे देश में जायेगा, सभी बातों का पूरा आंकलन करने के बाद ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

अगर 2024 से पहले कमेटी द्वारा ड्राफ्ट दिया जाता है तो, उसे लागू किया जायेगा। अतिक्रमण हटाये जाने के संबध में पूछे गये सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि वनभूमि एवं सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि जिन स्थानों पर काफी समय से बसावटें हैं, उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। ऐसी बसावटों को नियमित करने की दिशा में प्रक्रिया जारी है।

नकल विरोधी कानून के सबंध में पूछे गये सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बेरोजगार युवाओं के साथ काफी समय से अन्याय हो रहा था, विभिन्न माध्यमों से नकल होने की शिकायतों पर जांच की गई। इसमें दोषी पाये गये 80 से अधिक लोगों को जेल भेजा गया। अभ्यर्थियों की क्षमता के अनुरूप उनका चयन हो, परीक्षाओं में पूरी पारदर्शिता बनाने के लिए राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है।

इस कानून के लागू होने के बाद अभी तक साढ़े पांच लाख से अधिक अभ्यर्थी प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले चुके हैं। सभी परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुई हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में नये हिल स्टेशन बनाये जाने के सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़वाल एवं कुमाँऊ मण्डल में एक-एक नये हिल स्टेशन बनाये जाने के लिए कार्य योजना तैयार की जा रही है।

जीत गयी पार्वती, धामी की धाक बरकरार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 सितम्बर , बागेश्वर विधानसभा उप निर्वाचन में भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास की जीत पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बागेश्वर की जनता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह विजय मातृशक्ति, युवाशक्ति और वरिष्ठजनों के हमारी सरकार पर अटूट विश्वास का प्रमाण है। इस उप चुनाव में बागेश्वर विधानसभा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और राज्य सरकार की नीतियों तथा जन कल्याणकारी योजनाओं पर मुहर लगाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जीत स्व. चंदनराम दास जी को श्रद्धांजलि है। उनके समय के रूके हुए कार्यों और उनके सपनों को पूरा किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने

कहा कि बागेश्वर की जनता ने राज्य सरकार पर जो विश्वास जताया है, बागेश्वर की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप बागेश्वर का विकास किया जायेगा। बागेश्वर उप निर्वाचन में जीत पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भाजपा प्रत्याशी पार्वती दास और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट को बधाई दी।

अब यहाँ मुख्य कृषि अधिकारी पर गिरी कृषि मंत्री की गाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 सितंबर , प्रदेश के कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी के अनुमोदन के बाद तत्काल प्रभाव से जनपद पौड़ी गढ़वाल के प्रभारी मुख्य कृषि अधिकारी अमरेन्द्र कुमार को स्थानान्तरित करते हुए कृषि निदेशालय देहरादून में सम्बद्ध किया गया है। कृषि सचिव दीपेन्द्र कुमार चौधरी ने इस बाबत आदेश भी जारी कर दिया है।

पिछले बुधवार को सोशल मीडिया एवं मीडिया में प्रसारित खबर का तत्काल संज्ञान लेते हुए कृषि मंत्री ने पौड़ी गढ़वाल के कोटद्वार में तैनात कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी को निलंबित कर दिया था। जिसके बाद यह संज्ञान में आया कि मुख्य कृषि अधिकारी द्वारा राजकीय अवकाश के दिन कार्यालय की विशेष बैठक बुलाई, जिसमें निलंबित कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी को भी बुलाया गया। बैठक की जानकारी लगने के तुरन्त बाद कृषि मंत्री ने विभागीय सचिव और महानिदेशक को कार्यवाही के आदेश दिये थे।

विधानसभा स्थित कार्यालय में कृषि मंत्री ने कहा कि इस प्रकरण में संलिप्त अधिकारियों के विस्तृत जांच के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसको बिल्कुल भी बक्शा नही जाएगा और सख्त से सख्त कार्यवाही की जाएगी। मंत्री ने कहा कि विकास योजनाओं और जनता के हित में किए जा रहे कार्यों में लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपर निदेशक उद्यान, डॉ. आर. के. सिंह ने की राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से शुक्रवार को राजभवन में अपर निदेशक उद्यान, डॉ. आर. के. सिंह ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राज्यपाल ने अपर निदेशक से औद्यानिकरण से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्राप्त की। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड के पहाड़ी जिलों में सेब उत्पादन की बेहतर संभावनाएं हैं। विशेषकर चमोली और पिथौरागढ़ में सेब उत्पादन के लिए प्रयास किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि विभाग सेब उत्पादन के क्षेत्र में अधिक से अधिक काश्तकारों को जागरूक कर साथ ही सेब की नई वैरायटी व नई तकनीकों से सेब उत्पादन किया जाना जरूरी है।

IAS और IPS में अंतर और प्रभाव की पूरी जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितंबर , IAS जिसका फुल फॉर्म इंडियन एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस (Indian Administrative Service) है। UPSC की परीक्षा में ज़्यादा नंबर आने पर IAS पोस्ट प्राप्त होता है जिसके जरिए आप ब्यूरोक्रेसी में प्रवेश करते हैं। IAS के लिए चुने गए लोगों को विभिन्न मंत्रालयों या जिलों का मुखिया बनाया जाता है।

कौन हो सकते हैं आईपीएस?

वहीं IPS यानी इंडियन पुलिस सर्विस (Indian police service) के द्वारा आप पुलिस यूनिट के बड़े-बड़े अफसरों में शामिल होते हैं। इसमें अगर पोस्ट की बात की जाए तो आप ट्रेनी आईपीएस से डीजीपी या इंटेलिजेंस ब्यूरो, सीबीआई चीफ तक भी पहुँच सकते हैं। बता दें, यूपीएससी परीक्षा में 3 लेवल- प्रीलिम्स, मेंस और इंटरव्यू होता है.IAS और IPS में अंतर की बात करे तो इन दोनों में सबसे पहला अंतर होता है कि एक IAS हमेशा फॉर्मल ड्रेस में रहते हैं जिनका कोई ड्रेस कोड नहीं होता। तो वहीं, एक IPS को ड्यूटी के दौरान वर्दी पहनना अनिवार्य होता है। दूसरा अंतर है कि एक

IAS अपने साथ एक या दो बॉडीगार्ड रख सकते हैं लेकिन एक IPS के साथ पूरी की पूरी पुलिस फोर्स चलती है। एक IAS को मेडल से सम्मानित किया जाता है तो वहीं एक IPS को "स्वॉर्ड ऑफ़ ऑनर अवार्ड" से नवाज़ा जाता है।

IAS और IPS के क्या कार्य होते हैं

बात अगर IAS और IPS के काम के बारे में की जाए तो एक IAS के कंधे पर पूरे लोक प्रशासन, नीति निर्माण और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी होती है। तो वहीं एक IPS अपने क्षेत्र की कानून व्यवस्था बनाए रखने और अ पराधों को रोकने की जिम्मेदारियों को पूरी करता है।

कितनी होती है इनकी सैलरी

एक IAS अफसर के कंधे पर ढेर सारी जिम्मेदारियाँ होती हैं। उन्हें सरकारी विभाग और कई मंत्रालयों का कार्य संभालना होता है और एक IPS अधिकारी को सिर्फ़ पुलिस विभाग में काम करना होता है। इनके काम और इनके जिम्मेदारियों को देखते हुए इनकी सैलरी निर्धारित की जाती है। दोनों की सैलरी में बहुत कम अंतर होता है। सातवें पे कमीशन के बाद एक IAS अधिकारी का वेतन 56,100 से 2.5 लाख प्रति माह होता है। इसके साथ ही उन्हें और भी कई सुविधाएँ मुहैया कराई जाती हैं। तो वहीं दूसरी ओर एक IPS अधिकारी की सैलरी प्रति माह 56,100 से लेकर 2,25,000 मिलते हैं। इन्हें भी कई सारी सुविधाएँ दी जाती हैं।

कौन होता है ज़्यादा शक्तिशाली

यहाँ एक और बात जानना बहुत आवश्यक है कि एक क्षेत्र में सिर्फ़ एक ही IAS होते हैं तो वही दूसरी ओर एक क्षेत्र में एक से अधिक IPS भी हो सकते हैं। IAS को उच्च पद का होने के कारण किसी भी जिले का डीएम बनाया जाता है तो वहीं उससे नीचे पद का होने के कारण IPS को जिले का एसपी बनाया जाता है।एक IAS और एक IPS दोनों UPSC परीक्षा के द्वारा ही आते हैं लेकिन सिर्फ़ रैंक ऊपर नीचे होने के कारण किसी को IAS का पद मिलता है तो किसी को IPS का। इन दोनों में IAS का पद ऊंचा होता है। एक IAS अगर डीएम बनता है तो वह पुलिस विभाग के साथ-साथ और भी कई विभागों का हेड होता है इसलिए इनके पास पावर ज़्यादा होता है और एक IPS को सिर्फ़ अपने पुलिस विभाग का काम देखना पड़ता है।

महिलाओं में इमोशनल स्मार्टनेस होना क्यों जरूरी है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितंबर , आमतौर पर महिलाओं को भावुक और संवेदनशील माना जाता है और कई बार उनके इर्दगिर्द मौजूद चालाक लोग उनकी भावनाओं का लाभ उठाकर अपना काम निकाल लेते हैं। हालांकि महिलाएं थोड़ी-सी सूझबूझ से काम लें तो अपनी भावनाओं पर नियंत्रण करके न सिर्फ़ औरों के फ़ायदे के लिए इस्तेमाल होने से ख़ुद को बचा सकती हैं, बल्कि अपने दायरे में सम्मान और स्नेह का पात्र भी बन सकती हैं। साथ ही ऐसा करने में सक्षम होकर 'इमोशनली ब्लैकमेल' होने से भी बच सकती हैं। इमोशनली स्मार्ट होने के लिए इन बातों पर ध्यान दें...

ज़रूरत से ज़्यादा ना बोलें

आपने एक कहावत सुनी होगी– बंद मुट्ठी लाख की, खुल गई तो ख़ाक की। इसकी वजह यह है कि मुट्ठी बंद रहती है तो लोग अलग-अलग क़यास लगाते हैं कि ज़रूर मुट्ठी में कोई क़ीमती चीज़ है। लेकिन खुल जाने पर सारा रहस्य हवा हो जाता है। ठीक इसी प्रकार जब आप नियंत्रित और सीमित मात्रा में बातें करती हैं तो लोग आपको धीर-गंभीर और समझदार व्यक्ति मानते हैं। लेकिन जब आपका ख़ुद पर नियंत्रण नहीं रहता और बहुत ज़्यादा बोलती हैं तो आप किसी आम शख़्स की तरह ही नज़र आती हैं। ज़ाहिर है, ज़्यादा बोलने पर ग़लतियां होने की आशंका भी अधिक होती है। इसलिए कामकाज संबंधी बैठकों, मुलाक़ातों और सामाजिक समारोहों में नपी-तुली बात करने की आदत डालें।

कभी-कभार ग़ायब हो जाएं

यह सही है कि मेल-मुलाक़ात, मदद और सहयोग से संबंध बेहतर होते हैं, लेकिन कई बार हमें अपनी अनुपस्थिति से भी अपना महत्व बनाए रखना होता है। दरअसल, जब आप हर जगह, हर समारोह में, हर गेट-टु-गेदर में आसानी से, नियमित और ज़्यादा देर तक उपस्थित रहने लगती हैं तो आपकी क़द्र और आपका मान-सम्मान कम होने लगता है। लोग आपको आसानी से उपलब्ध और ख़ाली समझने लगते हैं। इसी से जुड़ी दूसरी बात है कि लोगों के सामने अपनी शेख़ी बघारने और ख़ुद को एकदम परिपूर्ण बताने से भी बचना चाहिए। इससे लोग आपसे प्रभावित तो नहीं होते, लेकिन उल्टे या तो आपसे ईर्ष्या करने लगते हैं या फिर आपमें कमियां खोजकर दूसरों को बताने लगते हैं। यही मानव स्वभाव है। भावनात्मक रूप से

बुद्धिमान होने के लिए इस बात को समझना अनिवार्य है।

संकोच छोड़ें, मेलजोल बढ़ाएं

ख़ाली दिमाग़ शैतान का घर। यह कहावत सोलह आना सही है। एकांत और अकेलेपन में अंतर समझें। एकांत मन को सुकून और चिंतन का समय देता है, जबकि अकेलापन तनाव, दुश्चिंता और अवसाद का सबब बन सकता है। कई शोधों में प्रमाणित हो चुका है कि सामाजिक मेलजोल रखने वाले लोग इमोशनल स्मार्ट, व्यवहारकुशल और अच्छे समाधानपरक होते हैं। सामाजिक दायरा पक्का रहने पर सुकून के साथ सफलता और समृद्धि की संभावनाएं भी बढ़ती हैं। लोगों से आदर, स्नेह और प्यार मिलने पर भी हमारा दिमाग़ नहीं फिरता और भावनात्मक संतुलन दुरुस्त रहता है। इसलिए अपने इर्द-गिर्द बने व्यस्तता और संकोच के अवरोधों को दूर करें और सखियों-मित्रों, परिजनों और सहकर्मियों के साथ स्वस्थ मेलजोल बढ़ाएं।

बहस से बचें और ख़ुश रहें

लोगों के दिलों में पर अपनी छाप छोड़ने और उन पर अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए आपको वह बेवजह के विवादों से बचना चाहिए। विशेष रूप से राजनीतिक मुद्दों, खेल, फिल्म या विवादास्पद विषयों पर लोग बहुत जल्दी भावुक हो उठते हैं। अतः इन मामलों में होने वाले विचार-विमर्श जब विवाद का रूप लेने लगें तो आपको जीतने की कोशिश में संबंधों को नहीं हारना चाहिए। फिजूल विवादों के कारण आपसी

संबंधों में खटास ना आने दें। सामने वाले को (जो आपके परिजन, मित्र, रिश्तेदार, पड़ोसी या सहकर्मी हो सकते हैं) जीतकर ख़ुश होने दें। इसके साथ ही समय-समय पर उनकी मदद और प्रशंसा करें। इससे आप बेवजह की दिमाग़ी उलझन और तनाव से बचेंगी और प्रसन्न रहेंगी।

सखी को ना बताएं हर राज़

दोस्ती के संबंध हमेशा एक जैसे नहीं रहते। कभी किसी दौर में ये संबंध अत्यधिक गहरे और आत्मीय हो सकते हैं जब दोस्त एक-दूसरे के लिए कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन किसी भी दूसरे संबंध की तरह दोस्ती में भी उतार-चढ़ाव आते हैं। कई बार रिश्तों में खटास आने लगती है और ईर्ष्या या बदले की भावना जागने लगती है। ऐसे में दोस्त ही सबसे ज़्यादा ख़तरनाक और नुक़सानदेह साबित हो सकता है। इसलिए भावनाओं के ज्वार में न बहें। स्वयं पर नियंत्रण रखें और अपनी ज़िंदगी के कुछ गहरे राज़ दोस्तों को भी हरगिज़ न बताएं।

अपने मन को क़ाबू में रखें

दिमाग़ इंसान का सबसे शक्तिशाली हथियार है। आप इसका सही इस्तेमाल करना सीख जाएं तो दुनिया की कोई ताक़त आपको नहीं झुका सकती। अगर आपने इसका सही इस्तेमाल नहीं किया और भावनाओं पर नियंत्रण करना नहीं सीखा तो लोग आपके मन और भावनाओं पर क़ाबू करके आपको अपने फ़ायदे के लिए इस्तेमाल कर लेंगे। कई बार यह आत्मीयता जताकर, मदद करके या मीठे बोल बोलकर भी होता है।

जाने-माने प्रेरक वक्ता नेपोलियन ने कहा है ऐसे लोगों से हमेशा सावधान रहें जो आपकी मदद के बहाने आपके मन में दूसरों के लिए ज़हर घोलते हैं। इसलिए किसी की बातों पर आंखें मूंदकर विश्वास न करें। पहले ख़ुद अनुभव करें और फिर फ़ैसला लें। किसी के विचार अपने दिमाग़ तक पहुंचने न दें। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति आपकी मदद तो करता है, लेकिन साथ-साथ आपको ऐसे शख़्स के खिलाफ़ भड़काता है जिससे आपकी अच्छी बातचीत होती है। मुमकिन है, आप उसकी बात मानकर साथी की नकारात्मक छवि मन में बना लेंगी। ऐसे में, आप अपने अनुभवों से लोगों की पहचान करें।

बहरहाल, यह ध्यान रखें कि आप रातोंरात नहीं बदल जाएंगी। आपको इन बातों का ध्यान हरदम रखना होगा। हर निर्णय से पहले ठहरकर सोचना होगा, बोलने से पहले अपने शब्दों को तौलना होगा और हर सूचना को अपनी बुद्धि और समझ से फिल्टर करना होगा। तब जाकर आप भावनात्मक रूप से भी 'स्मार्ट' हो पाएंगी।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार में किया 941.39 लाख की योजनाओं का शिलान्यास

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 9 सितंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने भल्ला स्टेडियम परिसर में हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण की 941.39 लाख रूपये की लागत से निर्मित होने वाली पांच योजनाओं का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश का समग्र विकास हमारा उद्देश्य है। उन्होंने प्रदेश के विकास में सभी से सहयोगी बनने की भी अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री मंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जिन योजनाओं का शिलान्यास किया गया उनमें हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण द्वारा पूर्व में विकसित क्रिकेट स्टेडियम एवं इण्डोर स्पोटर्स काम्पलेक्स को खेल गॉव के रूप में विकसित करने के तहत प्राधिकरण की अवस्थापना विकास निधि मद से 03 क्रिकेट प्रैक्टिस पिच का निर्माण लागत 64.95 लाख, दो लॉन टेनिस कोर्ट का निर्माण लागत 61.23 लाख, सिटी स्पोर्टस काम्पलेक्स में स्थित बैडमिन्टन कोर्ट का विशेष मरम्मत एवं सम्पूर्ण भवन का अनुरक्षण कार्य 245.12 लाख, हर की पैडी के धार्मिक महत्ता को दृष्टिगत रखते हुये वहाँ पर स्थित पुलिस चौकी एवं उसके आस-पास विकास एवं सौन्दर्यीकरण का कार्य 159.21 लाख, कुष्ठ रोगियों के पुर्नवास के दृष्टिगत प्राधिकरण द्वारा रोशनाबाद में 14 परिवारों के निवास हेतु 410.88 लाख की लागत से शेल्टर होम का निर्माण कार्य कराया जाना सामिल है।

इस अवसर पर हरिद्वार नगर विधायक मदन कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, पूर्व विधायक लक्सर संजय गुप्ता, भाजपा जिला अध्यक्ष हरिद्वार संदीप गोयल, रूड़की अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह, सचिव एचआ-रडीए उत्तम सिंह चौहान सहित सम्बन्धित पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

अस्पतालों में ताबड़तोड़ छापे, लापरवाही खुलकर आई सामने

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 9 सितंबर , जिलाधिकारी सोनिका द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि डेंगू मरीजों के उपचार एवं जांच में लापरवाई पर कड़ी कार्यवाही की जाए तथा जनपद अवस्थित लैब्स एवं चिकित्सालयों का जिला स्तरीय टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण करते हुए नियमित जांच की जाए। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जिला स्तरीय टीम द्वारा जनपद अवस्थित सविता गोयल पैथोलॉजी लैब, पेनिसिया हॉस्पिटल, सिनर्जी, चिकित्सा कैलाश चिकित्सालय में अनिय-मितता पाए जाने के फलस्वरूप मुख्य चिकित्साधिकारी की ओर से सम्बन्धित चिकित्सा अधीक्षकों/प्रबन्धकों को कारण बताओ नोटिस जारी किये गए है।

जिला स्तरीय टीम ने पाया कि सविता गोयल पैथोलॉजी लैब द्वारा एक डेंगू के भर्ती मरीज (बेबी सनाया, 06 वर्ष) की 51,000 प्लेटलेट्स काउंट की रिर्पोट दी गई थी किन्तु NABL लैब से क्रास चैक करने पर 2. 73 लाख पाई गई है। पैनिशिया अस्पताल एवं पैथोलॉजी लैब में प्लेटलेट्स काउंट का क्रास चैक किया गया है। चिकित्सालय की पैथोलॉजी लैब द्वारा एक डेंगू के भर्ती मरीज (अभिजीत) की 10,000 प्लेटलेट्स काउंट की रिर्पोट दी गई थी किन्तु सरकारी लैब से कासचौक करने पर 32,000 पाई गई है। सिनर्जी अस्पताल, चिकित्सालय की पैथोलॉजी लैब द्वारा एक डेंगू के भर्ती मरीज (अजय कुमार) की 19,000 प्लेटलेट्स काउंट की रिर्पोट दी गई थी किन्तु सरकारी लैब से क्रास चैक करने पर 30,000 पाई गई है।

कैलाश अस्पताल, एवं पैथोलॉजी लैब में प्लेटलेट्स काउंट का क्रॉसचेक किया गया है। चिकित्सालय की पैथोलॉजी द्वारा एक डेंगू के भर्ती मरीज (भगत सिंह) की 14,000 प्लेटलेट्स काउंट की रिपोर्ट दी गई थी किन्तु सरकारी लैब से क्रास चैक करने पर 80,000 पाई गई है। टीम द्वारा निरीक्षण जांच में पाया गया कि लैब्स रिपोर्ट में अनि-यमिताएं पाई गई, इस प्रकार की रिपोर्ट से मरीजों के तीमारदारों में घबराहट (Panic) स्थिति उत्पन्न हो रही है प्रतीत होता है कि आप द्वारा निर्देशों एवं मानकों का सही प्रकार से पालन नहीं किया जा रहा हैं जो कि डेंगू जैसे संवेदनशील प्रकरण को गंम्भीरता से न लेना परिलक्षित होता है।

उक्त पर मुख्य चिकित्साधिकारी देहरादून द्वारा उक्त चिकित्सालयों एवं लैब्स को नोटिस प्रेषित करते हुए तीन दिवस के भीतर लिखित प्रतिउत्तर साक्ष्यों सहित उपलब्ध कराने तथा समयान्तर्गत संतोषजनक प्रतिउत्तर प्राप्त न होने की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध Epidemic Dis-eases Act 1897 के अन्तर्गत कार्यवाही प्रचलन में लायी जायेगी, जिसके लिये सम्बन्धित संस्थाएं स्वयं उत्तरदायी होंगे।

इसी प्रकार अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नैदानिक स्थापन देहरादून द्वारा आज डा०एस०एस०रावत, बीएएमएस चिकित्सक 150 अजबपुर चौक देहरादून का औचक निरीक्षण किया गया जिसमें पाया गया की डा० एस०एस०रावत. आयुर्वेदिक चिकित्सक होते हुए ऐलोपैथिक की प्रैक्टिस कर रहे हैं साथ ही इनके द्वारा प्रचुर मात्रा में ऐलोपैथिक दवाईयों का भंडारण बिना औषधि लाइसेंस लिए हुए किया जा रहा है व इन औषधियों का विक्रय भी मरीजों को किया जा रहा है। जिसके फलस्वरूप सम्बन्धित को नोटिस प्रेषित करते हुए औषधि निरीक्षक जनपद देहरादून, मेडिकल पोल्यूसन बोर्ड को उक्त संस्थान का निरीक्षण करते हुए अपने स्तर से उचित कार्यावाही करने हेतु लिखा गया है।

संक्षिप्त खबरें

बिल्वकेदार में महिलाओं ने दी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति

श्रीनगर गढ़वाल। श्रीनगर तहसील के अंतर्गत बिल्वकेदार में जन प्रगतिशील मंच की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर 8 कीर्तन मंडलियों ने आकर्षक भजन कीर्तन की प्रस्तुति दी। जबकि बच्चों और महिलाओं की 16 अन्य प्रस्तुतियों के साथ ही साइनी कृष्ण उनियाल की कविताओं ने दर्शकों का खूब मन मोहा। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री अतर सिंह असवाल, कुशलानाथ व भवानी देवी तथा एसआई सुषमा रावत ने मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। आयोजक संदीप रावत, दीपेंद्र बिष्ट, उमेद सिंह मेहरा, सूर्यप्रकाश आदि शामिल रहे। वहीं दूसरी ओर कीर्तिनगर के मलेथा गांव में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कृष्ण के स्वरूप से सजे नन्हें मुन्ने बच्चों ने आकर्षक झांकी निकाली। मौके पर मलेथा कीर्तन मंडली के द्वारा कृष्ण की बाल लीलाओं पर भजन कीर्तन आयोजित किए गए। कार्यक्रम के आयोजक विरेंद्र सिहं राणा, अज्जू महर, नरेंद्र गुसाईं, रविन्द्र राणा, कांन्ति राणा, मकान सिह राणा, आसी राणा, गोलु राणा मंगत मठियाल, अंकित सिंह आदि मौजूद रहे।

दीक्षा और प्रिंस करेंगे राज्य स्तर पर प्रतिभाग

श्रीनगर गढ़वाल। आईसीटी टेक्नो मेले में कीर्तिनगर विकासखंड के राइंका मंजाकोट की दीक्षा बिष्ट और राइंका नागराजा धार चिलेड़ी के प्रिंस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। छात्र प्रिंस का मार्गदर्शन विज्ञान शिक्षिका मीना डोभाल व दीक्षा का मार्गदर्शन डॉ. अशोक कुमार बडोनी ने किया। डायट प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद डंडरियाल ने छात्र प्रिंस व छात्रा दीक्षा तथा उनके मार्गदर्शक शिक्षकों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि इन विषम भौगोलिक परिस्थितियों में भी अति दुर्गम विद्यालय से आए छात्रों ने अपना दिखाया है। दोनों विद्यालयों के प्रधानाचार्य व विद्यालय परिवार ने दीक्षा व प्रिंस को बधाई देते हुए राज्य स्तर के लिए शुभकामनाएं दी। उनकी सफलता पर क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है।

न्यायिक कार्यों से विरत रहे अधिवक्ता

श्रीनगर गढ़वाल। उत्तरप्रदेश के हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में श्रीनगर में अधिवक्ता न्यायिक कार्यों से विरत रहे। बार एसोसिएशन श्रीनगर के संरक्षक अनूप श्री पांथरी ने कहा कि हापुड़ जिले में प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस ने बर्बरता पूर्वक लाठीचार्ज किया, जो कि निंदनीय है। कहा कि बार एसोसिएशन श्रीनगर इसकी घोर निंदा करता है। रोष व्यक्त करने वालों में बार एसो. श्रीनगर के अध्यक्ष प्रमेश जोशी, उपाध्यक्ष जगजीत सिंह जयाड़ा, सचिव ब्रह्मानंद भट्ट, विकास पंत, प्रदीप मैठाणी, विवेक जोशी, देवी प्रसाद खरे, बलवीर सिंह रौतेला, विकास कठैत, सुरेंद्र सिंह रौथाण, सुबोध भट्ट, परमानंद मैठाणी आदि मौजूद रहे।

पेटिंग से आपदा का दर्द उकेरेंगे दार्जिलिंग के बर्नाड

नई टिहरी। पेटिंग के जरिये उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों की आपदा के नजारे देश-दुनिया के लोगों को देखने को मिलेंगे। इसके लिए दार्जिलिंग के रहने वाले वाटर कल आर्टिस्ट बर्नाड कारगे ने भ्रमण अभियान शुरू किया है। भ्रमण के बाद आपदा के नजारों को लेकर पेटिंग बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का काम करेंगे। बीती देर शाम बादशाहीथौल स्थित टी-स्क्वायर रिजार्ट पहुंचे वाटर कलर आर्टिस्ट बर्नाड कारगे ने बताया कि वह अपने तीन अन्य साथियों के साथ बाइक राइडिंग के जरिये देहरादून, ऋषिकेश, टिहरी और अब उत्तरकाशी में नेलांग बार्डर तक आपदा से हुये नुकसान का आंकलन करने के लिये भ्रमण पर हैं। बर्नाड कारगे ने बताया कि उनका घर दार्जिलिंग में है और पिछले कई सालों से वह दिल्ली में काम कर रहे हैं। सामाजिक मुद्दों पर जन जागरुकता के लिये तस्वीरें भी बनाते हैं। पिछले महीने यंगिस्तान फाउंडेशन की तरफ से हैदराबाद में आयोजित बंधुआ मजदूरी और मानव तस्करी विषय पर भी उन्होंने पेंटिंग बनाई थी। अब वह उत्तराखंड में इस वर्ष आपदा से हुये नुकसान की पेटिंग बनायेंगे। बर्नाड ने बताया कि पहाड़ में इस बार सडक़ों पर मलबे के ढेर लगे हैं। पहाड़ लगातार दरक रहे हैं। चंबा में भी भूस्खलन से पांच लोग जिंदा दब गये थे। उत्तरकाशी रोड पर भी काफी भूस्खलन जोन सक्रिय हैं। सभी की जागरुकता और पर्यावरण संरक्षण के लिये वह इस बार इसी थीम पर पेटिंग बनायेंगे। आज के दौर में मानसून में उत्तराखंड में हर साल आपदा आती है। लेकिन उसके बाद भी इंसान विकास के नाम पर कई निर्माण कार्य कर रहे हैं। इसी जागरुकता के लिये इस बार वह नुकसान की जानकारी अपने पेटिंग के माध्यम से देंगे।

उत्तराखंड चार धाम यात्रा के नाम पर बड़ा ऑनलाइन फ्रॉड, STF ने 43 वेबसाइट कराई बंद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 09 सितंबर : साइबर ठग भोले भाले लोगों और आम जनता को ठगने के लिए अपराध के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा कराने के लिए हेलीसेवा के नाम पर फर्जी वेबसाइट तैयार कर हेली सेवा बुकिंग के नाम पर देश और विदेश के तीर्थयात्रियों से ठगी की जा रही है।केदारनाथ में हेली सेवा लोगों के बीच खासी मशहूर है लेकिन हेली सेवा की बुकिंग के नाम पर जो फर्ज़ीवाड़ा चल रहा है वह चिंतनीय है। अब तक कई मासूम श्रद्धालु इन फर्जी वेबसाइट ये झांसे में आकर हज़ारों रुपए गंवा चुके हैं। इस पर पुलिस की कार्रवाई जारी है।

उत्तराखंड पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गृह मंत्रालय के सहयोग से ऐसी 43 फर्जी वेबसाइट बंद करा दी हैं। इसमें तीन आरोपी गिरफ्तार किए जा गए और दो आरोपितों को नोटिस भेजे गए हैं। इसके अलावा, 12 से अधिक बैंक खाते व बड़ी संख्या में मोबाइल नंबर बंद कराए गए हैं। एसटीएफ ने यह स्पष्ट किया है कि चारधाम यात्रा की हेली सेवा बुकिंग के लिए सिर्फ और सिर्फ आइआरसीटी की वेबसाइट ही अधिकृत है। इसके अलावा कोई अन्य वेबसाइट नहीं है। आईआरसीटी की ओर से www.heliyatra.irctc.co.in के माध्यम से हेली सेवा बुकिंग की जा रही है। याद रखें कि इसके अलावा बुकिंग कहीं से नहीं होगी। जानकारी के अभाव में लोग गूगल सर्च कर विभिन्न फर्जी वेबसाइट पर बुकिंग करने लगते हैं। इसे देखते हुए उत्तराखंड की स्पेशल ट्रास्क फोर्स ने अभियान चलाया। जिसमें साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने लगातार फर्जी वेबसाइट की निगरानी की और इस सीजन में अब तक कुल 43 फर्जी वेबसाइट को बंद कराया जा चुका है।

ऐसे में हम आपको सचेत कर रहे हैं कि उपरोक्त वेबसाइट के अलावा कोई भी ऑथेंटिक वेबसाइट नहीं है जिस पर आप हेलीकॉप्टर की बुकिंग कर सकें, तो अगर आप आने वाले समय में केदारनाथ आने का प्लान बना रहे हैं तो केवल आईआरसीटीसी के वेबसाइट चाहिए हेलीकॉप्टर की बुकिंग कराएं। अगर आप भी ऐसे फर्जीवाड़ा का शिकार हुए हैं तो घबराने की बिलकुल जरुरत नहीं है क्योंकि उत्तराखंड की एक स्पेशल टीम इसी फर्जी वाले के लिए सक्रियता से काम कर रही है और मासूम लोगों को उनके पैसे वापस दिला रही है। कोई भी फर्जी हेली सेवा वेबसाइट, मोबाइल नंबर, लिंक आदि की जानकारी स्पेशल ट्रास्क फोर्स उत्तराखंड के आफिस देहरादून से साझा कर सकते हैं।

स्कूल में हो रही हो Bullying तो ये हैं आपके अधिकार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितम्बर , कई बार बच्चे बिना बात के स्कूल जाने से डरते हैं, रोज कोई न कोई बहाना बनाते हैं. कारण पूछने पर कोई ठीक जवाब नहीं मिलता. अगर आपके बच्चे में भी ऐसे लक्षण दिखें तो सावधान हो जाएं और पता करें कि कहीं वो स्कूल में बुलिंग का शिकार तो नहीं. बच्चे सामान्यतः बुलिंग की शिकायत इसलिए भी नहीं करते की कहीं बात और न बढ़ जाए और उन्हें और अधिक परेशानियों का सामना करना पड़े.

कितनी तरह की होती है बुलिंग

बुलिंग के बहुत से प्रकार होते हैं. ये फिजिकल हो सकती है, मेंटल हो सकती है, साइकोलॉजिकल हो सकती है और कई बार बच्चे साइबरबुलिंग का भी शिकार होते हैं. उदाहरण के तौर पर किसी बच्चे को उसके सीनियर या क्लासमेट द्वारा बिना बात के परेशान करना. कुछ एग्जाम्पल लेते हैं –

बार-बार बच्चे के लुक या किसी आदत या पढ़ाई या किसी भी चीज को लेकर उसका मजाक बनाना या सबके सामने चिढ़ाना.

हल्की-फुल्की और कई बार गंभीर मारपीट करना और धमकी देना.

अपने पर्सनल काम करवाना जैसे पानी भरवाना, किताब मंगाना, होमवर्क करवाना, प्रोजेक्ट बनवाना, किसी का टिफिन रोज खा लेना, उससे घर से सामान या

पैसे लाने की डिमांड करना वगैरह.

क्लास में बैठने की जगह न देना, बस में खड़ा रखना, किसी गेम या एक्टिविटी में उसे शामिल न करना, टीचर्स से गलत शिकायत करना, मजाक बनाना.

किसी भी रूप में अगर बच्चे को हैरेस किया जा रहा है तो ये बुलिंग में आता है.

स्कूल की है जिम्मेदारी

इस केस में पहली जिम्मेदारी स्कूल की होती है. यहां एंटी रैगिंग कमेटी होनी चाहिए जो इस बात का ध्यान रखें कि किसी बच्चे को अनावश्यक परेशान न किया जाए. टीचर्स और संबंधित अथॉरिटी को विजिलेंट और सपोर्टिव होना चाहिए. वातावरण ऐसा हो कि बच्चा शिकायत करने आए तो उसका नाम छिपाकर एक्शन लिया जाए.

क्या कहता है कानून

बुलिंग को लेकर हमारे देश में कानून नहीं हैं लेकिन गंभीर मामलों में आईपीसी की कुछ धाराओं के तहत शिकयत की जा सकती है. शिकायत होने पर पुलिस से लेकर बाकी अथॉरिटीज को एक्शन लेना पड़ता है. ये धाराएं हैं धारा 339 - गलत तरीके से रोकना, धारा 506 - आपराधिक धमकी के लिए सजा, धारा 323 - स्वेच्छा से चोट पहुंचाने के लिए सजा, धारा 306 - आत्महत्या के लिए उकसाना.

हेल्पलाइन पर संपर्क कर सकते हैं

बुलिंग की शिकायत अगर आप स्कूल स्तर पर नहीं करना चाहते तो बहुत सी हेल्पलाइन हैं जिनसे आप मदद मांग सकते हैं. ये फ्री में काउंसलिंग से लेकर मदद तक के लिए तैयार होती हैं. इन्हें नेट पर सर्च किया जा सकता है. भारत में एंटी रैगिंग हेल्पलाइन नंबर है – 1800-180-5522. आप इस पर शिकायत कर सकते हैं.

स्कूल में बनाएं कमेटी

साल 2015 में सीबीएसई ने नियम निकाला था कि स्कूलों में एंटी रैगिंग कमेटी होनी चाहिए. कमेटी में काउंसलर भी शामिल हों, ये जरूरी है. स्कूल के लिए जरूरी है कि वे हेल्दी एनवायरयमेंट बच्चों को दें. शिकायत सच निकलने पर बच्चे को क्लास से निकाला जा सकता है, उसका रिजल्ट रोका जा सकता है, फाइन लग सकता है, रस्टिकेशन हो सकता है और कई बार तो स्कूल से ट्रांसफर भी किया जा सकता है. गंभीर मामलों में पुलिस का इंट-रफेरेंस भी हो सकता है.

ATM पर QR कोड स्कैन करने से निकल जाएगा पैसा, जानें इसकी पूरी प्रोसेस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितंबर , यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी UPI से अब कैश भी विड्रॉ किया जा सकेगा। मुंबई में चल रहे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में UPI ATM दिखाया गया है। इस ATM के इस्तेमाल के लिए कार्ड की जरूरत नहीं पड़ती। बस QR कोड स्कैन कर पैसा निकाला जा सकता है। इस ATM को नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने डेवलप किया है।

यहां हम इस ATM से जुड़े 8 जरूरी सवालों के जवाब दे रहे हैं:

1. UPI ATM से पैसे कैसे निकाल सकते हैं?

ATM मशीन पर UPI कार्डलेस कैश को सिलेक्ट करें।100, 500, 1000, 2000, 5000 जैसा अमाउंट चुनें।ATM पर QR कोड डिस्प्ले होगा। UPI ऐप से स्कैन करें।UPI पिन दर्ज करें। अब कैश बाहर आ जाएगा।

2. क्या सभी UPI ऐप इस ATM पर काम करते हैं?

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने UPI डेवलप किया है। इसलिए जो भी ऐप UPI सर्विस प्रोवाइड करते हैं उनका इस्तेमाल UPI ATM पर पैसा निकालने के लिए किया जा सकता है।

3. अभी कहां-कहां UPI ATM सर्विस उपलब्ध है?

अभी UPI ATM को मुंबई में चल रहे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में दिखाया गया है। धीरे-धीरे इन मशीनों को देशभर में लगाया जाएगा। हालांकि यह कब तक होगा इसकी जानकारी नहीं दी गई है।

4. एक बार में कितना पैसा निकाल सकते हैं?

UPI ATM से एक बार में 10,000 रुपए निकाले जा सकते हैं। UPI ऐप का उपयोग करके कई खातों से कैश निकाल सकते हैं। अलग-अलग बैंक के कार्ड साथ रखने की जरूरत नहीं है।

5. ATM में पैसा अटक गया तो कैसे मिलेगा?

जिस तरह डेबिट कार्ड से कैश निकालते समय पैसा अटकने पर बैंक में इसकी शिकायत करते हैं। वैसे ही UPI ATM में भी पैसा अटकने पर आप बैंक में जाकर इसकी शिकायत कर सकते हैं।

6. अभी पैसे कितने तरीकों से निकाले जा सकते हैं?

डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड या बैंक जाकर पैसे निकाल सकते हैं। कुछ बैंक ATM पर कॉर्डलेस विड्रॉल की सुविधा भी देते हैं, लेकिन इसके लिए इंटरनेट बैंकिंग सर्विस एक्टिवेट होनी चाहिए।

वॉट्सअप में आने वाले 5 नए फीचर्स है शानदार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितंबर , यूजर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए कंपनी समय-समय पर वॉट्सऐप में नए फीचर्स जोड़ती है. आज हम आपको उन फीचर्स के बारे में बताने वाले हैं जो आपको जल्द वॉट्सऐप में मिलेंगे.

Recent History Sharing: इस फीचर के तहत जब कोई व्यक्ति ग्रुप में जुड़ेगा तो उसे ग्रुप में 24 घंटे पहले तक हुई सभी बाते दिखेंगी. इससे व्यक्ति को ये समझ आएगा कि ग्रुप में किस बारे में बात चल रही है. हालांकि इसके लिए ये जरुरी है कि एडमिन ने ये फीचर ग्रुप में ऑन रखा हो.

Multiple Account: वॉट्सऐप मल्टीपल अकाउंट फीचर पर काम कर रहा है जो यूजर्स को एक ही डिवाइस पर एक से ज्यादा अकाउंट खोलने की अनुमति देगा. जिस तरह अभी आप इंस्टाग्राम में एक से ज्यादा आईडी लॉगिन कर पाते हैं, ठीक ऐसा ही वॉट्सऐप में भी होगा.

Text Formatting Tool: वॉट्सऐप में जल्द आपको टेक्स्ट को और अच्छे से फॉर्मेट करने का ऑप्शन मिलेगा. यानि आप और अच्छे से मैसेज को सामने वाले तक भेज पाएंगे. फिलहाल हम Bold, Italic आदि फॉन्ट ही कर पाते हैं.

WhatsApp Channel: इस साल की शुरुआत में कंपनी ने चैनल फीचर 9 से ज्यादा देशों में लॉन्च किया है. हालांकि अभी ये भारत में नहीं आया है.जल्द आपको चैनल फीचर भी मिलेगा. एक तरह से ये फीचर इंस्टाग्राम में मौजूद 'ब्रॉडकास्ट चैनल' की तरह काम करेगा.

सामाजिक रिश्ते निभाना सेहत में अच्छे इन्वेस्टमेंट की तरह है

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

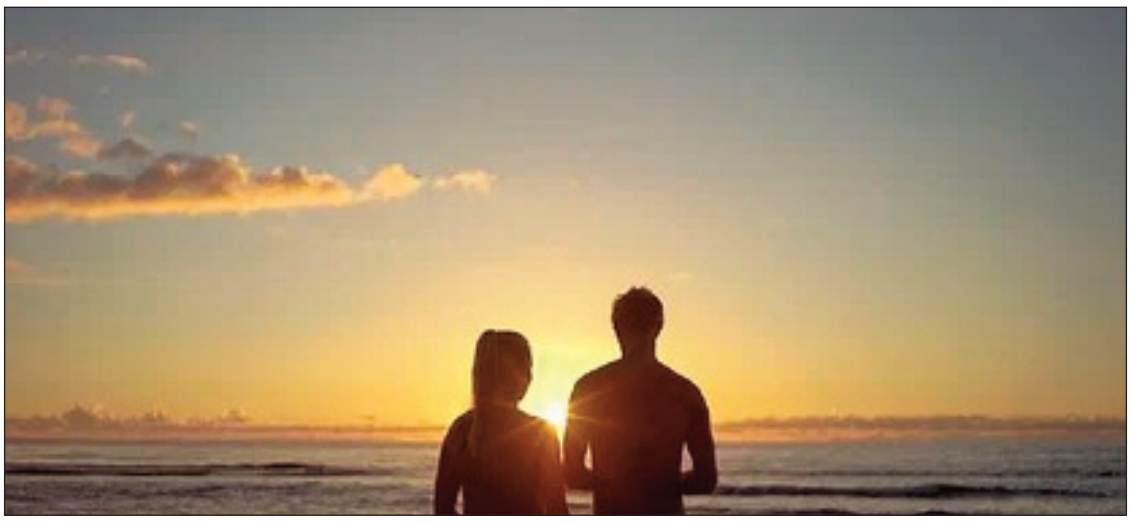

ब्यूरो रिपोर्ट 09 सितम्बर : व्यस्तता के चलते इन दिनों लोग घर या वर्कप्लेस में सिमटकर रह गए हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि लोग सामाजिक रूप से अलग-थलग हो गए। 'चैरिटी टू एंड लोनलीनेस' कैंपेन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन में 40 लाख लोग लंबे समय से अकेलेपन से जूझ रहे हैं।एक्सपर्ट कहते हैं- इस समस्या से निपटने का सबसे बेहतर तरीका बातचीत करना है। पड़ोस में रहने वालों से सकारात्मक चर्चा से शारीरिक और भावनात्मक फायदे तो मिलते ही हैं, सामाजिक दायरा भी मजबूत होता है।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के इरविंग मेडिकल सेंटर में मनोचिकित्सक केली हार्डिंग कहती हैं- सामाजिक रिश्तों को बनाए रखना सेहत में निवेश की तरह है। ब्रिटिश वैज्ञानिक डॉ. माइकल मोसले कहते हैं- पड़ोसी या अजनबी से बात करने से उनकी और आपकी मानसिक सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है। मैनचेस्टर यूनिवर्सिटी में रिलेशनशिप एक्सपर्ट प्रो. पामेला क्वाल्टर कहती हैं- पड़ोसियों की मदद करना अकेलेपन को कम करने का शक्तिशाली तरीका है। प्रो. क्वाल्टर के निर्देशन में हुई एक स्टडी के तहत लोगों को महीनेभर तक, हफ्ते में एक बार पड़ोसी के लिए कोई मदद या काम करना था। जैसे कि उनका कूड़ेदान बाहर निकालना या सड़क पर मुलाकात हो तो बातचीत करना। नतीजे बताते हैं कि इससे दोनों पक्षों में अकेलेपन की भावना कम हुई, जबकि एकता के भाव में बढ़ोतरी दिखी।

मैरीलैंड यूनिवर्सिटी की रिसर्च के मुताबिक पड़ोसियों के साथ सामाजिक रूप से जुड़े रहने से सेहत से जुड़ी समस्याओं का जोखिम कम होता है। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान विशेषज्ञ प्रो. मेरिसा फ्रैंकों कहती हैं- अकेलापन न रहने से चिंता और अवसाद की आशंका कम हो जाती है। साथ ही खराब नींद, दिल के रोग, स्ट्रोक व समय से पहले मौत के खतरे भी घट जाते हैं। एक्सपर्ट कहते हैं- पड़ोसियों से बातचीत कम है तो रोजाना कुछ कारण तलाशें। जिज्ञासु बनकर, सवाल पूछकर उनकी प्रतिक्रिया जान सकते हैं। अपनी बातों को छोटा और विषय पर केंद्रित रखें। चीजों को उनकी नजर से देखने की कोशिश करें और ऐसे समाधान निकालने की कोशिश करें, जो दोनों के लिए कारगर हों।

नीदरलैंड्स के जंबो सुपरमार्केट ने 2021 में बुजुर्गों और अकेलेपन से जूझ रहे लोगों के लिए 200 स्टोर में स्लो चेकआउट काउंटर शुरू किए थे। ताकि जिन्हें जल्दी नहीं है, वे कैशियर या कतार में खड़े अजनबी लोगों से आराम से बातें कर सकते हैं। स्टोर में समय-समय पर अकेलापन दूर करने के लिए एक्टिविटी भी रखी जाती हैं। अब यह सुविधा सभी 700 स्टोर में देने की तैयारी है। प्लायमाउथ यूनिवर्सिटी ने ताजा स्टडी के तहत अकेले रह रहे लोगों को रोबोटिक कैट और डॉग दिए थे। ये थोड़ा इधर-उधर घूमते हैं और आवाजें निकालते हैं। इन्हें गले भी लगा सकते हैं।

उत्तराखंड में पिछले पांच सालों में डेंगू से सबसे अधिक मौतें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 09 सितम्बर : उत्तराखंड में पिछले पांच सालों में इस साल अब तक सबसे अधिक 12 मौतें हुई हैं। इसमें 11 मौतें अकेले देहरादून में हुई हैं। जिले में अब तक डेंगू के सबसे अधिक 589 मरीज मिले हैं। वर्ष 2019 में प्रदेश में डेंगू तेजी से फैला था और कुल आठ मरीजों की मौत हुई थी।

प्रदेश में अभी तक सात जिलों में डेंगू ने दस्तक दी है। जबकि छह पर्वतीय जिलों में डेंगू का कोई मरीज नहीं मिला है। चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक किसी संक्रमण रोग के तीन साल के बाद प्रकोप बढ़ने की संभावना रहती है। डेंगू का संक्रमण काल नवंबर- दिसंबर रहता है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशानिर्देश के बाद फॉगिंग और लार्वा नष्ट करने के लिए विभागों ने कसरत तेज की है।

तेजी से वजन घटाने के लिए कितना चलना है जरूरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 सितम्बर : जब भी खुद को फिट रखने और वजन कम रखने की बात आती है तो टहलना उसमें अहम भूमिका निभाता है. लेकिन बहुत से लोग इस बात को गंभीरता से नहीं लेते हैं, उन्हें लगता है कि वॉक से वजन कम नहीं होता है या फिर होता भी है तो बहुत धीरे. तो आपको बता दें कि आपका यह सोचना बिल्कुल गतल है क्योंकि ज्यादातर लोगों को वॉक करने का सही तरीका नहीं पता है जिसके कारण कैलोरी बर्न नहीं कर पाते हैं. ऐसे में आज हम आपको टहलने का सही नियम बताने वाले हैं,वैसे तो 1.6 किलोमीटर की वॉक से 100 कैलोरी बर्न होती है. लेकिन इसके लिए ब्रिस्क एक्स-रसाइज करना होगा.

आप कहेंगे ब्रिस्क एक्सरसाइज क्या होती है तो आपको बता दें कि इसमें आपको अपने चलने की रफ्तार को बढ़ाना पड़ता है. इसमें आपकी गति कम से कम 6 किलोमीटर प्रति घंटा होनी चाहिए. 1 घंटा में अगर आप 6 किलोमीटर ब्रिस्क वॉक करेंगे तो 100 से 130 कैलोरी बर्न होगी1- आप थोड़ी थोड़ी देर में ऑफिस की सीट छोड़कर पानी लेने, कॉफी पीने के लिए उठिए. इससे आपकी शरीर में अकड़न भी नहीं आएगी और शरीर को आराम भी मिलेगा.2- लिफ्ट और एक्सलेटर की बजाए आप सीढ़ियों का इस्तेमाल करें. ऐसा करके आप अपने पेट पर चर्बी चढ़ने से रोक पाएंगे. इसके अलावा आप गाड़ी की पार्किंग थोड़ी दूरी पर करिए ताकि आपको चलने का मौका ज्यादा से ज्यादा मिले. वहीं, घर का सामान लेने के लिए बाजार गाड़ी के बजाए पैदल जाएं.3- वहीं, वॉक शुरू करने के 5 मिनट बाद तेज वॉक करना शुरू कर दीजिए. इससे शरीर में जमी चर्बी पसीने के रूप में निकल जाएगी.

संक्षिप्त खबरें

विश्व हिंदू परिषद ने मनाया स्थापना दिवस

पौड़ी। विश्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती पर जोर दिया। इस दौरान कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस के बारे में विस्तार से बताया गया। बदरीनाथ धर्मशाला में आयोजित बैठक में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के वरिष्ठ नेता भुवन डोभाल ने बताया कि 1964 को जन्माष्टमी के दिन विश्वहिंदू परिषद की स्थापना की गई। जिसका उददेश्य पूरे हिंदू समाज को संगठित करना व धर्मांतरण पर रोक लगाना, गो तस्करी पर रोक लगाना, लव जिहाद पर रोक लगाना, हिंदू मठ मंदिरों की सुरक्षा का बंदोबस्त करना है। इस दौरान महेंद्र असवाल, मातंग मलासी, विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष राकेश गौड़ ने भी विचार रखे। इस मौके पर सूरजदत्त नवानी, हेमलता भटट, शैलेंद्र गैरोला, अरूण चमोली, दीपक रावत, संदीप बर्तवाल, कुसुम चमोली, सुमनलता ध्यानी आदि शामिल रहे।

स्कूलों में छात्र-छात्राओं ने ली शपथ

पौड़ी। हिमालय बचाओ अभियान के तहत शुक्रवार को भी स्कूलों में शपथ ली गई। इस दौरान स्कूलों में हिमालय बचाओ अभियान की सराहना की गई। जूनियर हाईस्कूल पैदुल में प्रधानाध्यापिका संजू नौडियाल ने प्रतिज्ञा करवाई। जीआईसी धुमाकोट में प्रधानाचार्य दर्शन कुमार ने 129 छात्रों को प्रतिज्ञा करवाई और हिमालय बचाओ मुहिम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जबकि राजकीय इंटर कॉलेज खैरासैंण में 90 छात्र-छात्राओं ने यह प्रतिज्ञा की। वहीं राजकीय इंटर कॉलेज खोलाचौरी में शिक्षकों सहित 89 छात्र-छात्राओं ने हिमालय प्रतिज्ञा की। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उरेगी में प्रधानाचार्य मंगल सिंह चौहान एवं जयंती पुरोहित ने हिमालय प्रतिज्ञा करवाई। राजमति देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज तिमली के प्रधानाचार्य संजय ममगाई ने 225 छात्र-छात्राओं सहित 15 शिक्षकों को हिमालय प्रतिज्ञा करवाई और हिमालय के संरक्षण को लेकर भी जानकारी दी। थलीसैंण के प्राइमरी स्कूल डुगंरी में प्रधानाध्यापिका सुधा गौड़ ने छात्र-छात्राओं को प्रतिज्ञा करवाई।

डेंगू रोग रोकथाम को चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की गाइड लाइन जारी

चमोली। उत्तराखण्ड में विगत वर्षो से डेंगू रोग एक प्रमुख जन स्वास्थ्य समस्या के रूप में परिलक्षित हो रहा है। सितम्बर-अक्टूबर तक डेंगू रोग के प्रसारित होने ही सम्भावना को देखते हुए डेंगू रोग रोकथाम के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा गाइड लाइन जारी की है। डेंगू रोग की रोकथाम के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निरन्तर स्वच्छता अभियान चलाए जांए। डेंगू रोग के मच्छरों के पनपने के स्थानों की साफ सफाई, ठोस कचरे का का उचित निस्तारण, रोस्टरानुसार फॉगिंग व कीटनाशक का छिडकाव, डेंगू निरोधात्मक कार्यवाहियां एवं बचाव उपायों पर जनजागरूकता कार्यक्रम किए जांए। भीड भाड वाले स्थानों सब्जी मण्डी, बस स्टेशनों तथा पार्कों में विशेष निगरानी रखी जाए, लोगों को पानी के बर्तन ढक कर रखने के लिए व लगातार पानी इक्टठा होने वाले स्थानों को साफ करने के लिए जागरूक किया जाए। स्कूलों, कालेजों में पढने वाले बच्चों को फुल बाजू पेन्ट शर्ट पहनने तथा डेंगू से बचाव उपायों हेतु छात्र-छात्राओं की जागरूकता के लिए सेमिनार, वाद-विवाद, पेंटिंग, निबन्ध लेखन व प्रोजेक्ट वर्क प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जांय।वहीं चिकित्सालयों में डेंगू रोगियों के उपचार हेतु पृथक आइसोलेशन वार्ड तैयार किए जाएं एवं आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। डेंगू रोगी पाए जाने पर रोगी के घर के आसपास लगभग 500 मीटर की परिधि में आवश्यक रूप से लार्वा निरोधात्मक कार्यवाहियां की जांए।

ट्रक खराब होने से लगा जाम, वाहनों की लगी कतार

चमोली। चमोली जिला मुख्यालय गोपेश्वर के हल्दापानी कस्बे में सुबह एक माल वाहक ट्रक खराब हो गया। जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग चमोली गोपेश्वर केदारनाथ पर जाम लग गया और जाम के चलते सडक़ पर आवाजाही करने वाले वाहनों की कतार लग गई। इस दौरान स्कूली बच्चों को ले जाने वाले वाहन भी जाम में फंस गए और वह समय पर अपने स्कूल नहीं पहुंच पाए। वहीं जिला मुख्यालय में सुबह के समय कार्यालय जाने वाले कार्मिकों को भी खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ऐसे में स्थानीय लोगों का कहना है कि सडक़ चौड़ीकरण और जिला मुख्यालय गोपेश्वर के लिए प्रस्तावित वैकल्पिक मार्गों पर शीघ्र अति शीघ्र कार्य किया जाना अति आवश्यक है ताकि इस तरह के जाम से निजात मिल पाए। अभिभावक और पूर्व जिला पंचायत सदस्य ऊषा रावत , समाज सेवी सुरेन्द्र सिंह रावत ₹ अंशू ₹ ब्यापार संघ के अध्यक्ष अंकोला पुरोहित ने कहा आये दिन मुख्यालय की सडक़ों पर जाम की स्थिति बनी रहती है।

देवभूमि के देवता महासू धाम की रोचक कहानी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितंबर , महासू देवता मंदिर उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में त्यूनी-मोरी रोड के नजदीक व चकराता के पास हनोल गांव में टोंस नदी के पूर्वी तट पर स्थित है। यह मंदिर देहरादून से 190 किलोमीटर और मसूरी से 156 किलोमीटर दूर स्थित हैं।महासू देवता मंदिर उत्तराखंड की प्रकृति की गोद में बसा एक पौराणिक व प्रसिद्ध मंदिर हैं। मान्यता है कि महासू देवता मंदिर में जो भी कोई भक्त सच्चे मन से कुछ भी मांगता है तो महासू देवता उसकी मनोकामना अवश्य पूर्ण करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यहां हर साल दिल्ली से राष्ट्रपति भवन की ओर से नमक भेंट किया जाता है। मिश्रित शैली की स्थापत्य कला को संजोए यह मंदिर बहुत प्राचीन व प्रसिद्ध हैं।

महासू देवता मंदिर में महासू देवता की पूजा की जाती हैं, जो कि शिवशंकर भगवान के अवतार माने जाते हैं। 'महासू देवता' एक नहीं चार देवताओं का सामूहिक नाम है और स्थानीय भाषा में महासू शब्द 'महाशिव' का अपभ्रंश है। चारों महासू भाइयों के नाम बासिक महासू, पबासिक महासू, बूठिया महासू (बौठा महासू) और चालदा महासू है, जो कि भगवान शिव के ही रूप हैं।महासू देवता के मंदिर के गर्भ गृह में भक्तों का जाना मना है। केवल मंदिर का पुजारी ही मंदिर में प्रवेश कर सकता है। यह बात आज भी रहस्य है। कि मंदिर में हमेशा एक अखंड ज्योति जलती रहती है जो कई वर्षों से जल रही है। मंदिर के गर्भ गृह में पानी की एक धारा भी निकलती है, लेकिन वह कहां जाती है, कहां से निकलती है यह अज्ञात है।मंदिर में महासू देवता के नाम का भी गूढ़ अर्थ है। मान्यता है कि महासू का मतलब है- महाशिव, जो अपभ्रंश होकर महासू हो गया। उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी, संपूर्ण जौनसार-बावर क्षेत्र, रंवाई परगना के साथ साथ हिमाचल प्रदेश के सिरमौर, सोलन, शिमला, बिशैहर और जुब्बल तक महासू देवता की पूजा होती है। उत्तराखंड के इन क्षेत्रों में महासू देवता को न्याय के देवता और मन्दिर को न्यायालय के रूप में माना जाता है। वर्तमान में महासू देवता के भक्त मन्दिर में न्याय की गुहार करते हैं और उसमें अर्जी लगाते है, जिससे उनको न्याय तुरन्त मिलता हैं।

महासू देवता की कहानी-

महासू देवता भगवान भोलेनाथ के रूप हैं। मान्यता भी है कि महासू ने किसी शर्त पर हनोल का यह मंदिर जीता था। महासू देवता जौनसार बावर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ईष्ट देव हैं। यह मंदिर 9वीं शताब्दी में बनाया गया था। वर्तमान में यह मंदिर पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) के संरक्षण में है। किवदंती है कि महासू देवता का मंदिर जिस गांव में बना है उस गांव का नाम हुना भट्ट ब्राह्मण के नाम पर रखा गया है। इससे पहले यह जगह चकरपुर के रूप में जानी जाती थी। पांडव लाक्षा ग्रह(लाख का महल) से निकलकर यहां आए थे। हनोल का मंदिर लोगों के लिए तीर्थ स्थान के रूप में भी जाना जाता है।महासू देवता से सम्बंधित कहानी के बारे में बहुत ही कम लोग जानते है। महासू देवता न्याय के देवता है, जो उत्तराखड के जौनसार-बावर क्षेत्र से सम्बन्ध रखते है। महासू देवता चार देव भ्राता है जिनके नाम इस प्रकार है।

1. बोठा महासू
2. पबासिक महासू
3. बसिक महासू
4. चालदा महासू

जनजाती क्षेत्र जौनसार - बावर के ग्राम हनोल स्थित तमसा (टौंस) नदी किनारे श्री महासू देवता का मंदिर वास्तुकला के नागर शैली में बना है। पौराणिक कथा के अनुसार किरमिक नामक राक्षस के आंतक से क्षेत्रवासीयो को छुटकारा दिलाने के लिए हुणाभाट नामक ब्राह्मण ने भगवान शिव और शक्ति की पूजा / तपस्या की।

भगवान शिव और शक्ति के प्रसन्न होने पर मैट्रेथ हनोल में चार भाई महासू की उत्पत्ति हुई और महासू देवता ने किरमिक राक्षस का वध कर क्षेत्रीय जनता को इस राक्षस के आंतक से मुक्ति दिलाई, तभी से लोगो ने महासू देवता को अपना कुल आराध्य देवता माना और पूजा अर्चना शुरू की। बोठा महासू , बाशिक, पवासी एवं चालदा चार महासू भाई है। बोठा महासू देवता का मुख्य मंदिर हनोल में है, बोठा महासू को न्याय का देवता कहा जाता है उनका निर्णय स्थानीय लोगो में सर्वमान्य होता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के अनुसार महासू मंदिर हनोल में 9 वीं से 10 वीं शताब्दी का बताया गया है।

उत्तराखंड : परिवहन निगम की बसों में इन छात्रों को मिलेगी 50% की छूट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 09 सितम्बर : प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्रों को रोडवेज की बसों में यात्रा के दौरान 50 प्रतिशत किराये में छूट मिलेगी। शासन से इसकी अधिसूचना जारी होने के बाद बीते दिन परिवहन निगम ने इसका आदेश जारी कर दिया है।बता दें कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कैबिनेट द्वारा प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को लाभान्वित करने के लिए मुख्यमंत्री प्रतियोगी परीक्षा परीक्षार्थी रियायत परिवहन योजना शुरू करने का निर्णय 24 अगस्त के दिन लिया गया था। अब कोई भी छात्र जो उत्तराखंड में सरकारी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है और परीक्षा केंद्र पर जाने की लिए सरकारी बसों का इस्तेमाल करता है तो उन्हें केवल 50% किराया का ही भुगतान करना होगा। बाकी बचा 50% किराया उत्तराखंड सरकार की ओर से परिवहन निगम को दिया जाएगा। एडमिट कार्ड के आधार पर इस योजना का

लाभ अब अभ्यर्थी उठा सकेंगे।निगम के महाप्रबंधक संचालन दीपक जैन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, किसी भी भर्ती की मुख्य परीक्षा, एकल परीक्षा या इंटरव्यू के लिए एडमिट कार्ड के आधार पर यात्रा का अवसर दिया जाएगा। लाभ लेने वाले का उत्तराखंड का स्थायी निवासी होना जरूरी है। दूसरे राज्यों में रहने वाले उत्तराखंड के युवाओं को भी राज्य में परीक्षा देने आने के लिए इस सुविधा का लाभ मिलेगा।

युवाओं में सामान्य खाने के बजाय बढ़ रहा हैवी ब्रेकफास्ट का ट्रेंड

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 सितम्बर : दिन में तीन बार खाने की परंपरा को अब चुनौती मिल रही है क्योंकि देश में खाने वालों की नई पीढ़ी (जैन जी सामान्य खाने के बजाय स्नैक्स का विकल्प चुन रही है। यानी खाने के बजाय हैवी ब्रेकफास्ट पर निर्भर हो रही है। इसे स्नैकिफिकेशन कहा जाता है, ज्यादा से ज्यादा युवा इसे खाने के मानक तरीके के रूप में अपना रहे हैं।यह पेशेवरों और परिवारों दोनों की आधुनिक व्यस्त जीवनशैली में ज्यादा फिट बैठता है। मार्केट इंटेलिजेंस एजेंसी मिंटेल रिपोर्ट्स की स्टडी में यह खुलासा किया गया है। ऐसा नहीं है कि जेन जी (9-24 साल) सेहतमंद नहीं खाना चाहती, पर इनके इरादे और खानपान के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, जो उन्हें स्नैक्स पर निर्भर बना देता है।

स्टडी के मुताबिक खपत की प्रवृत्ति भी इसी आयु वर्ग में सबसे ज्यादा है। इसी कारण देश का ब्रेकफास्ट बिजनेस बदल रहा है। कंपनियां भी इन युवा ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों को दोबारा स्थापित करने की होड़ में हैं।अधिकांश कंपनियां पहले ही प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो में बदलाव कर चुकी हैं, या कर रही हैं ताकि मौके का फायदा उठा सकें। स्टडी में अनुमान जताया गया है कि देश का स्नैकिंग सेक्टर 2022-26 के बीच 7% से ज्यादा की दर से बढ़ेगा। इस बात के पर्याप्त संकेत हैं कि इस वृद्धि का अहम फैक्टर जेन जेड ही है। जिन कंपनियों का जेन जी खरीदारों के साथ ज्यादा जुड़ाव नहीं था, उन्हें भी अब सुधार के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।उदाहरण के लिए 6 दशक पुराने ब्रांड गिट्स का पूरा फोकस 'रेडी टू ईट' पर हो गया है। कंपनी में डायरेक्टर (सेल्स एंड मार्केटिंग) साहिल गिलानी कहते हैं- बढ़ती युवा पीढ़ी में पाक कौशल कम हो रहे हैं। इसलिए रेडी टू ईट विकल्पों को प्राथमिकता दी जाती है। ब्रांड अब 'बेहतर' खानपान को अहमियत देते हैं जो स्वाद और सेहत को संतुलित रखते हैं।टेल की सीनियर एनालिस्ट तुलसी जोशी कहती हैं- आने वाले दिनों में ब्रेकफास्ट बिजनेस में अहम बदलाव होगा, क्योंकि बड़ी संख्या में जेन जेड वर्कफोर्स में जुड़ेंगे। काम की अधिकता व व्यस्त जीवनशैली के चलते वे समय बचाने वाले सुविधाजनक स्नैक्स तलाशेंगे, जो उन्हें लंबे समय तक संतुष्ट रख सकें।

मिंटेल की स्टडी के मुताबिक बीते एक माह के खान-पान पर नजर डालें तो 60% जेन जेड ने दिन में एक या उससे ज्यादा बार स्नैक्स खाया। वहीं इनकी खरीद की आदतों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि 35% युवा अक्सर हैल्दी स्नैक्स जैसे सलाद वगैरह को प्राथमिकता देते हैं। वहीं, 25% कभी-कभार, 18% हमेशा ऐसा करते हैं। सिर्फ 11% कभी ऐसा नहीं सोचते। इन 35% में भी एक तिहाई का कहना है कि इनकी खोज तो सेहतमंद स्नैक्स विकल्प चुनने के साथ शुरू होती है, पर खत्म चिप्स और फ्राइज जैसे फास्ट फूड के साथ ही होती है।

अजीबो गरीब ट्रैफिक रूल्स, बिना सनग्लास के ड्राइविंग पर भी लगता है जुर्माना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 सितम्बर : दुनिया के हर देश में ट्रैफिक रूल्स बने हुए है, हालांकि ये नियम अलग-अलग हो सकते हैं। इन्हें लोगों को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया है, लेकिन कई ऐसे भी देश हैं जहां अजीबो-गरीब ट्रैफिक नियम बने हुए हैं। इन रूल्स के बारे में जानकर आपको हैरानी होगी। ऐसे ही कुछ ट्रैफिक नियमों के बारे में आज हम आपको बता रहे हैं।रूस में कार ड्राइविंग को लेकर एक बेहद ही अलग रूल है। अगर आप यहां बेढंगे तरीके से कार ड्राइव करते हुए पाए गए या फिर कार गंदी हुई तो आपको जुर्माना भरना होगा। रूस में बतौर ड्राइवर यह आपकी जिम्मेदारी है कि आपकी कार साफ हो। गंदी कार की ड्राइविंग पर यहां सरकार ने रोक लगा रखी है। कार ड्राइविंग को लेकर सऊदी अरब में भी अजीब कानून है। यहां महिलाएं कार ड्राइव नहीं कर सकती हैं। स्पेन की बात करें तो यह कार चलाते वक्त आपके पास सनग्लासेस होना जरूरी है। सरकार ने यह नियम इसलिए बना रखा है ताकि धूप के कारण सड़क दुर्घटना न हो। अमेरिका के अर्कांसस में रात 9 बजे के बाद रेस्टोरेंट के बाहर हॉर्न बजाना मना है।

सोने-चांदी के बर्तनों में खाएंगे G20 के विदेशी मेहमान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितंबर , देश की राजधानी दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है। पूरी दिल्ली सज-धजकर तैयार है। दिल्ली के होटलों के शेफ ने खास मेन्यू तैयार किया है। विदेशों से आने वाले मेहमानों को सोने-चांदी के बर्तनों में खाना परोसा जाएगा। जयपुर में आईआरआईएस इंडिया कंपनी ने इन बर्तनों को बनाया है। बीते छह महीने में 200 कारीगरों ने दिन-रात मेहनत कर 15 हजार बर्तनों का सेट तैयार किया है। इन्हीं बर्तनों को अलग-अलग होटलों में भेजे गए हैं।

क्या है बर्तनों की खासियत

बर्तनों के निर्माण में 160 किलो चांदी का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा गोल्ड, ब्रास और स्टील का भी प्रयोग किया गया है। बर्तनों पर अशोक चक्र भी अंकित है। खास बात यह है कि हर बर्तन की अपनी खास पहचान है। थाली, कटोरी और चम्मचों पर हर राज्य और भारतीय संस्कृति की झलक दिखेगी।

महाराजा थाली भी बनाई गई

आईआरआईएस इंडिया के सीईओ राजीव पाबुवाल ने बताया कि डिनर सेट बनाने की शुरुआत जनवरी 2023 में की थी। हमने स्थान के अनुसार कटलरी बनाई है। हमने कटलरी को राज्य की संस्कृति के अनुसार शामिल किया है। कुछ कटलरी सिल्वर कोटेड हैं। हमने एक 'महाराजा थाली' भी बनाई है। कुछ कटलरी पर भी सोना चढ़ाया गया है।जी-20 के चीफ कोआर्डिनेटर हर्ष वर्धन श्रृंगला ने कहा कि हमने मेगा इवेंट की मेजबानी के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं कर ली हैं। सम्मेलन की तैयारी बहुत पहले शुरू कर दी गई थी। सरकारी विभागों और एजेंसियों ने भरपूर सहयोग दिया है। हमने राज्य सरकारों के अलावा नगर पालिकाओं का भी सहयोग लिया है।

'G 20 क्राफ्ट बाजार प्रदर्शनी' में उत्तराखंड के स्टॉल की धूम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 9 सितंबर , नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित ₹G 20 क्राफ्ट बाजार प्रदर्शनी₹ में उत्तराखंड के स्टॉल में यहां के उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। उत्तराखंड के नोडल अधिकारी डॉ एम एस सजवाण, उपनिदेशक उद्योग विभाग ने बताया कि उत्तराखंड के उद्योग विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल में उत्तराखंड राज्य के हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं। यहां अल्मोड़ा ट्वीड ऊनी स्कार्फ, डूंडा शॉल, पिथौरागढ़ के ऊनी कार्पेट, केदारनाथ व अन्य धार्मिक स्थलों की काष्ठ प्रतिकृति, नैनीताल ऐपण, उधमसिंहनगर की मूंज घास के उत्पाद, बागेश्वर के ताम्र उत्पाद, प्राकृतिक फाइबर जैकेट, प्रदर्शित किए गए हैं।

संपादकीय

भारत का जी-20

राजधानी नई दिल्ली 'अभेद्य दुर्ग' बनी है और दुल्हन की तरह सजी-धजी भी है। भारत के लिए ये ऐतिहासिक क्षण हैं। जी-20 देशों के शिखर सम्मेलन का शंखनाद आज होना है। लगभग सभी राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री भारत के आंगन में पहुंच चुके हैं। अमरीकी राष्ट्रपति के तौर पर जोसेफ बाइडेन और ब्रिटिश प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक पहली बार भारत आए हैं। करीब 10,000 विदेशी मेहमान भारतीय आतिथ्य का आनंद लेंगे। मोटे अनाज के पकवान और मिष्ठान्नों का लुत्फ उठाएंगे। जी-20 महज एक भू-राजनीतिक और आर्थिक विकास का मंच नहीं है। यह ऐसा जी-20 सम्मेलन है, जिससे भारत 'विश्व-मित्रों' की जमात में आ गया है। अब वैश्विक नेताओं के सामने भारत की क्षमता, ताकत और सांस्कृतिक विरासत के अध्याय खुले हैं। वे आकलन और विश्लेषण कर सकते हैं। भारत ने अपने विदेशी अतिथियों का स्वागत सांस्कृतिक विनम्रता के साथ किया है। हमारे देवी-देवताओं के कल्पना-चित्र, प्राणी-संसार, कलाकृतियां, सांस्कृतिक धरोहरों, नृत्य, झरने और सभास्थल 'भारत मंडपम' के प्रवेश-द्वार पर भगवान नटराज की अद्भुत प्रतिमा की उपस्थिति बेहद कलात्मक लगती है। भारत के रोम-रोम में कला, संस्कृति और संस्कार बसे हैं। नई दिल्ली किसी विशाल बाग में बसा शहर लग रही है। जमीन से आसमान तक ऐसे सुरक्षा-घेरे तैनात किए गए हैं, जो 'चक्रव्यूह' का एहसास कराते हैं। हमारे प्रिय अतिथियों को पल भर की बेचैनी, असुरक्षा, असुविधा न हो, लिहाजा राफेल, मिराज सरीखे लड़ाकू विमान, कम दूरी की मिसाइलें, एंटी ड्रोन सिस्टम, एयर डिफेंस सिस्टम और जासूस हेलीकॉप्टर तैनात किए गए हैं। जमीन पर करीब 1.30 लाख पुलिसकर्मी, अद्र्धसैनिक बलों के जवान, सैनिक और कमांडोज को देखकर लगता है मानो भारत किसी 'युद्धक्षेत्र' में मौजूद है। बहरहाल जी-20 शिखर सम्मेलन से यह भ्रम टूटता दिखाई देगा कि यह सिर्फ बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों का समूह है, क्योंकि अपनी अध्यक्षता में भारत का आग्रह है कि आर्थिक विकास में पिछड़े 'अफ्रीकी संघ' को भी जी-20 में शामिल किया जाए। विकसित, विकासशील और तीसरी दुनिया के एक साथ, एक मंच पर आने से विकास को समग्रता मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी का विचार और संकल्प है कि अर्थव्यवस्था जीडीपी के बजाय मानव-केंद्रित होनी चाहिए, तभी वैश्विक विकास और भाईचारा संभव है। अमरीकी राष्ट्रपति बाइडेन ने भारत के संकल्प को ही 'जी-20 का विजन' स्वीकार किया है। वैश्विक राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री और विशेषज्ञ जिस एजेंडे पर विमर्श करेंगे, उसमें खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा-संकट और स्वच्छ ऊर्जा, विश्व-व्यवस्था, विकास, जलवायु परिवर्तन, महामारी, रोजगार, सप्लाई चेन, आतंकवाद, हरित पर्यटन, ग्लोबल साउथ, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण आदि मुद्दे महत्त्वपूर्ण हैं। दरअसल यह एजेंडा भारत ने ही तैयार किया है, जिस पर जी-20 के मंच पर विमर्श किया जाएगा। यह भारत का ही जी-20 है, क्योंकि यह सम्मेलन भारत की चौतरफा समृद्धि का सत्यापन भी है। यह आकलन भी सामने आया है कि विमर्श के दौरान सभी देश 200 अरब डॉलर के आपसी कारोबार और औद्योगिक समन्वय का लक्ष्य तय करेंगे। अब भी दुनिया का करीब 75 फीसदी व्यापार जी-20 के देश ही करते हैं। भारत का विश्व-मंच पर उभार भी बढ़ेगा। ताकतवर देशों के साथ हमारी साझेदारी बढ़ेगी, तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत को गढ़ बना कर अपने प्लांट शुरू करेंगी। उत्पादन यहीं होगा, तो रोजगार भी यहीं बढ़ेगा। अमरीका भारत में 6 परमाणु रिएक्टर स्थापित करने की ओर बढ़ रहा है। प्रीडेटर ड्रोन के खरीदने और भारत में ही उसका उत्पादन-केंद्र बनाने की बात अंतिम दौर में है। इसरो और नासा मिलकर रणनीतिक फ्रेमवर्क और मिशन तय करेंगे।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पितृ पक्ष इस दिन से हो रहा है शुरू जानें श्राद्ध की प्रमुख तिथियां

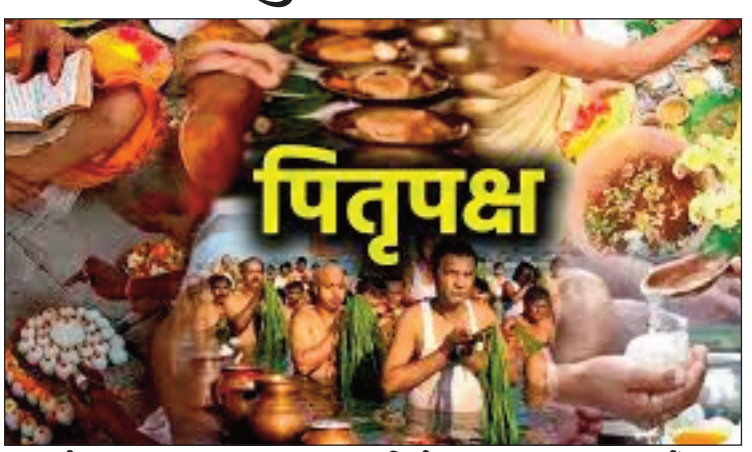

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 9 सितंबर , पितृ पक्ष पतरों को प्रसन्न करने के लिए सबसे शुभ अवसर होता है। पितृ पक्ष के 15 दिनों में पतरों की आत्मा को तृप्त करने के लिए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान और दान इत्यादि किए जाते हैं। मान्यता है कि पितृ पक्ष में ऐसा करने पर पतरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जिसके जीवन खुशहाल रहता है। साथ ही सात जीवन में आने वाली रुकावटें भी दूर हो जाती हैं। इसके अलावा पितृ दोष को दूर करने के लिए भी पितृ पक्ष खास है। आइए जानते हैं कि इस साल पितृ पक्ष कब से शुरू हो रहा है और श्राद्ध की तिथियां क्या-क्या हैं।

पितृ पक्ष 2023, श्राद्ध की तिथियां

पूर्णिमा श्राद्ध- 29 सितंबर 2023, शुक्रवार द्वितीया श्राद्ध – 30 सितंबर 2023, शनिवार तृतीया श्राद्ध- 01 अक्टूबर 2023, रविवारचतुर्थी श्राद्ध – 02 अक्टूबर 2023, सोमवार पंचमी श्राद्ध – 03 अक्टूबर 2023, मंगलवार षष्ठी श्राद्ध – 04 अक्टूबर 2023, बुधवार सप्तमी श्राद्ध – 05 अक्टूबर 2023, गुरुवार अष्टमी श्राद्ध – 06 अक्टूबर 2023, शुक्रवार नवमी श्राद्ध – 07 अक्टूबर 2023, शनिवार दशमी श्राद्ध – 08 अक्टूबर 2023, रविवार एकादशी श्राद्ध – 09 अक्टूबर 2023, सोमवार द्वादशी श्राद्ध – 11 अक्टूबर 2023, बुधवार त्रयोदशी श्राद्ध – 12 अक्टूबर 2023, गुरुवार चतुर्दशी श्राद्ध – 13 अक्टूबर 2023, शुक्रवार सर्व पितृ अमावस्या- 14 अक्टूबर 2023, शनिवार

पितृ पक्ष में क्या ना करें ?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, पितृ पक्ष में लहसुन और प्याज का सेवन नहीं करना चाहिए। दरअसल इसे तामसिक माना जाता है। ऐसे में पितृ पक्ष के दौरान इन चीजों का सेवन करने से तर्पण, पिंडदान का कोई फल नहीं मिलता है। जानकारों के मुताबिक, पितृ पक्ष के दौरान किसी प्रकार का जश्न या उत्सव नहीं मनाना चाहिए। मान्यता है कि इस दौरान जश्न मनाने से पूर्वज नाराज हो जाते हैं।

जिसके पितृ दोष लगता है।

पितृ पक्ष के दौरान कोई भी नया कार्य शुरू नहीं करना चाहिए। साथ ही पितृ पक्ष की अवधि में घर-परिवार के सदस्यों को कुछ भी नया नहीं खरीदना चाहिए।पितृ पक्ष की पूरी अवधि पतरों को समर्पित होती है। ऐसे में इस दौरान मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए। मान्यता के अनुसार, पितृ पक्ष के दौरान नाखून काटने, बाल कटवाने और दाढ़ी बनवाने से भी परहेज करना चाहिए।

सोलिड वेस्ट का निस्तारण वैज्ञानिक ढंग से किया जाये : सीडीओ

रुद्रपुर। मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने अधिकारियों की बैठक लेकर सॉलिड वेस्ट का निस्तारण वैज्ञानिक ढंग से करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में बैठक का आयोजन किया। सीडीओ ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि जनपद में संचालित सभी हॉस्पिटल और लैब में होने वाले बायोमेडिकल वेस्ट का नियमानुसार निस्तारण किया जाए। इस कार्य की स्वास्थ्य और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड गहनता से मॉनीटरिंग सुनिश्चित कर निरीक्षण का डाटा भी साझा करे। उन्होंने जनपद में ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कार्य योजना तैयार करने के निर्देश कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए। नदियों से बाढ़ के दृष्टिगत संभावित क्षेत्रों का प्रस्ताव शासन में भेजने के निर्देश दिए। यहां डीएफओ हिमांशु बागरी, नगर आयुक्त नरेश चंद्र दुर्गापाल, अमृता शर्मा, कृषि एवं भूमि संरक्षण अधिकारी अमित कुमार, मुख्य उद्यान अधिकारी भावना जोशी आदि मौजूद रहे।

हम सभी के लिए प्रेरणापुंज हैं ब्रह्मलीन श्री देवेन्द्रस्वरूप : मुख्यमंत्री

श्रद्धांजलि समारोह कार्यक्रम का संचालन महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानन्द जी ने किया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 9 सितम्बर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री जयराम आश्रम भीमगौड़ा में ब्रह्मलीन श्री देवेन्द्रस्वरूप ब्रह्मचारीजी महाराज की 19वीं पुण्य तिथि के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में प्रतिभाग कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को श्री ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी ने मुख्यमंत्री राहत कोष हेतु पांच लाख 11 हजार रूपये का चेक भेंट किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ब्रह्मलीन पूज्यपाद् गुरुदेव श्री देवेन्द्रस्वरूप ब्रह्मचारी जी महाराज को नमन करते हुये कहा कि वे हम सभी के लिए प्रेरणापुंज हैं। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समाज व देश के लिये अर्पित कर दिया तथा उनके जीवन का एक मात्र सिद्धान्त परोपकार एवं जीवन शैली स्नेह और आत्मीयता थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संत केवल कार्य से ही नहीं, अपितु अपने आचरण से भी समाज को शिक्षा और दृष्टि प्रदान करते हैं तथा सन्तों का तो जीवन ही परोपकार के लिए होता है। सन्तों ने स्वयं दूसरों का दुःख लेकर समाज को सुख प्रदान करने को ही अपना धर्म माना है। उन्होंने कहा कि गुरु श्री जयराम जी महाराज से लेकर गुरुदेव श्री देवेन्द्रस्वरूप ब्रह्मचारी जी का पूरा जीवन लोक कल्याण और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा है। मुख्यमंत्री ने जयराम आश्रम को जन सेवा एवं समर्पित संस्था बताया। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने कहा कि जिस संस्था के नाम में ही ''जय'' और ''राम'' जैसे भारतीय सांस्कृति के आधार शब्दों का मेल हो तो उस संस्था के कार्यों की व्याख्या शब्दों में नही की जा सकती। उन्होंने कहा कि अति सीमित संसाधन होने पर भी जयराम आश्रम ने जनसेवा के क्षेत्र में अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किये हैं।

मुख्यमंत्री ने श्री ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी को अपने गुरुदेव के संकल्पों को पूर्ण करने के लिए समर्पित भाव से सेवा कार्य करने वाला बताते हुए कहा कि उनके द्वारा शिक्षा, चिकित्सा, गोसेवा, संस्कृत के प्रसार तथा जन सेवा के क्षेत्र में जो कार्य किये जा रहे हैं, वे समाज के लिए अनुकरणीय हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड का जो मूल स्वरूप है, उसे आगे बढ़ाने के लिये निरन्तर कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश, हरिद्वार में गंगा कारिडोर बनाया जायेगा, जिसकी डीपीआर तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगा के घाटों की तर्ज पर यमुना के घाटों को भी विकसित किया जायेगा। कालसी में गुरूवार को यमुना तट पर स्नान घट व हरिपुर घाट का शिलान्यास किया जा चुका है, इससे हरिपुर के विकसित होने के साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष उत्तराखण्ड में श्रद्धालुओं व पर्यटकों की संख्या में निरन्तर इजाफा हो रहा है, इसको देखते हुये अवस्थापना सुविधाओं का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ तथा हेमकुण्ड रोपवे पर तेजी से कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री ने मानस खण्ड मन्दिर माला मिशन का उल्लेख करते हुये कहा कि इसके तहत प्रथम चरण में 16 मन्दिरों को लिया गया है तथा चारधाम यात्रा की भांति मन्दिर माला मिशन के तहत पर्यटन को बढ़ाने का निरन्तर प्रयास चल रहा है, जिससे देश-विदेश के पर्यटक इससे परिचित होने के साथ ही देवभूमि से अच्छा अनुभव लेकर भी जायेंगे तथा इससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। श्रद्धांजलि समारोह कार्यक्रम को जूनापीठाधीश्वर महामण्ड-लेश्वर अवधेशानन्द गिरि, श्री ब्रहमस्वरूप ब्रह्मचारीजी महाराज, हरिद्वार नगर विधायक श्री मदन कौशिक ने भी सम्बोधित करते हुये ब्रह्मलीन परमपूज्य गुरूदेव श्री देवेन्द्रस्वरूप ब्रह्मचारीजी महाराज के जीवन तथा समाज व देश हित में उनके द्वारा किये गये कार्यों पर विस्तृत प्रकाश डाला।

इस अवसर पर अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविन्द्र पुरी, श्रीपंचायती निर्मल पीठाधीश्वर श्रीमहन्त ज्ञानदेव, महन्त नारायणदास पटवारी, सचिव जूना अखाड़ा महन्त महेशपुरी, पूर्व विधायक लक्सर संजय गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष हरिद्वार संदीप गोयल, रूड़की जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति, जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, एसडीएम अजय वीर सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

नौ अंकों के नंबर से कॉल आए तो हो जाएं सतर्क, कहानी सुनाकर खातों से उड़ा देंगे रकम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 09 सितम्बर : अगर आपके मोबाइल में नौ अंकों के नंबर से कोई कॉल आता है, तो सावधान हो जाएं। साइबर ठगों ने ठगी का नया तरीका ईजाद किया है। पहले वे कोरियर कंपनी के कर्मचारी बनकर आपके नाम से कोई पार्सल होने की बात कहेंगे और फिर पार्सल में मादक पदार्थ होने की बात कहकर आपके खाते से जुड़ी जानकारियां लेकर खातों में रुपये जमा कराएंगे।

साइबर थाना पुलिस ने लोगों से अनजान लोगों को आधार कार्ड, पैन कार्ड और खाते संबंधी जानकारियां साझा नहीं करने की अपील की है। इन दिनों साइबर ठग नौ अंकों के नंबर से लोगों को कॉल कर रहे हैं। वे खुद को कोरिअर कंपनी का कर्मचारी बताते हुए चीन या किसी अन्य देश से पार्सल आने की बात कहते हैं।

जब व्यक्ति की ओर से इंकार किया जाता है तो ठग पार्सल में मोबाइल नंबर लिखे होने और पार्सल में मादक पदार्थ होने की बात कहकर डराने की कोशिश करता है। इसके बाद ठग दूसरे नंबर से कस्टम या नारकोटिक्स विभाग का अधिकारी बनकर कॉल करता है। व्यक्ति के पार्सल को लेकर अनभिज्ञता जताने पर ठग सबूत के रूप में बैंक स्टेटमेंट और आईडी मांगता है। इसके बाद कुछ ट्रांजेक्शन संदिग्ध बताते हुए अपने खाते में रुपये डलवा देता है। साइबर थाना कुमाऊं प्रभारी ललित मोहन जोशी कहते हैं कि नौ अंक के नंबर से कोई कॉल आए तो सत्यापन जरूर कर लें। उनके पास ऐसी लिखित शिकायत नहीं आई है, मगर ठग यह तरीका भी अपना रहे हैं। अनजान कॉलर से खाता संबंधी कोई भी जानकारी साझा न करें। ऐसे मामले में तत्काल साइबर थाना पुलिस या स्थानीय पुलिस से संपर्क जरूर कर लें।

डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में हुई जिला बाल कल्याण समिति की बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित की अध्यक्षता में जिला बाल कल्याण समिति की बैठक आयोजित की गई। डीएम ने बैठक में पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना, स्पॉनसरशिप योजना, मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना, नन्दा गौरा योजना, सेनिटर नेपिकन मशीन, आंचल योजना व अनाथ बच्चों के लिए क्षैतिज आरक्षण प्रमाण पत्र आदि योजनाओं पर चर्चा कर सभी सम्बंधित अधिकारियों को इन योजनाओं को लेकर संवेदनशील होकर काम करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को वीसी कक्ष में आयोजित बैठक में डीएम ने दीक्षित ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत बेटियों के लिए सेल्फ डिफेंस, केरियर कांउसिलिंग व हेल्थ चेकअप गतिविधियां आयोजित करवाने के निर्देश दिए।

जनपद के समस्त एडीपीओ को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत सरकारी भवनों पर संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत तीन नल कनेक्शन, किराये के भवन में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों में बिजली, पानी, शौचालय व किचन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को फिल्ड में जाकर विजिट करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कुपोषित बच्चों की सूची आरबीएस डिस्ट्रिक्ट कोर्डिनेटर को उपलब्ध कराते हुए हर माह आरबीएस की टीम के साथ फिल्ड में जाकर चैकअप करवाते हुए कुपोषित बच्चों के अभिभावकों से मिलना और उनको आवश्यक सन्तुलित आहार देने के साथ ही उनके स्वास्थ्य में सुधार लाने के निर्देश दिए। डीएम ने डीपीओ को आंगनबाडियों के निर्माण एवं मरम्मत से संबंधित प्राक्कलन उपलब्ध कराने, आंगनबाडियों में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करवाने, महिलाओं एवं बच्चों को दिये जाने वाले पोषण की मात्रा एवं गुणवत्ता चेक करने, महालक्ष्मी किट को वितरण करने से पूर्व उत्पादों की वैधता की जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि बाल कल्याण समिति बच्चों की देख-रेख एवं संरक्षण को लेकर सजग रहे। बैठक में सीडीओ मनीष कुमार, अध्यक्ष जिला बाल कल्याण समिति रमेश चन्द्र रतूड़ी, सदस्य बाल कल्याण समिति लक्ष्मी प्रसाद उनियाल, रागिनी भट्ट, अमिता रावत, महिपाल सिंह नेगी, बाल संरक्षण इकाई अधिकारी विनीता उनियाल आदि मौजूद रहे।